Republic Day Address by Professor Arun Kumar Grover, Vice Chancellor, Panjab University, on January 26, 2014

प्रिय विद्यार्थियों, मेरे शिक्षक साथियों, विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारियो सुरक्षा कर्मियों, स्कूलों से आये बच्चों उनके अध्यापक गण, अभिभावकों तथा भाईयो और बहनों ।

प्रतिवर्ष की तरह, एक अच्छी परंपरा का सम्मान करते हुए, देश के 65वें गणतंत्र दिवस पर उपकुलपति होने के नाते, मैं आप सबको अभिनंदन के साथ शुभ कामनायें देता हूँ। पंजाब विश्वविद्यालय के लिए 26 जनवरी की तिथि एक महज औपचारिकता का दिवस नहीं है। आप सब यह जानते हैं कि स्वतंत्र भारत में गणतंत्र की स्थापना के साथ ही 26 जनवरी, 1950 को हमारे पुर्नस्थापित विश्वविद्यालय का एक नये नाम के साथ एक नया दौर शुरु हुआ। **ईस्ट पंजाब यूनिवर्सिटी** से बदलकर इसका नाम फिर से Panjab University हो गया है। उस समय अपना विश्वविद्यालय सोलन की आर्मी काटेज़ और पंजाब के कई कालेजों में बिखरा हुआ था जिसमें राजकीय कालेज़, होशियारपुर प्रमुख था। जिसे पंजाब विश्वविद्यालय के कांस्टीटूएंट कालेज़ का दर्जा भी दिया गया था। वहाँ से चला यह सफर 10 वर्ष बाद आज के अपने चंडीगढ़ कैम्पस में स्थिर हुआ। आजादी से पहले 1946 में किसी एक मापदंड पर University of Panjab at Lahore को देश के अग्रणीय विश्वविद्यालयों में गिना गया । वह दर्जा शायद तब इतना चौंकाने वाला नहीं आका गया। 2013 में जब 'पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़' का नाम आज के भारत की 650 यूनिवर्सिटीज़ में एक विदेशी सर्वे मे पहले नंबर पर आंका गया, तो सर्वे कराने वालों को और भारत के बड़े शहरों के मीडिया को चौंकाने वाला लगा। पांच वर्ष पूर्व साईस और टैक्नोलाज़ी विभाग ने पंजाब विश्वविद्यालय को विज्ञान के अनुसंधान के आधार पर देश की 3 अग्रणी यूनिवर्सिटियों में रखा था । पर टाईम्स हायर ऐजूकेशन सर्वे का पैमाना बहुत ज्यादा विस्तृत है और सभी विषयों पर आधारित है । हमारी यूनिवर्सिटी के लिए यह एक संतोष की बात है कि हम विज्ञान के साथ साथ अन्य विषयों में भी अग्रणी हैं ।

However, if we compare the standing of top universities in India with those in China, we would find that we have got left behind only in recent times. Fifteen years ago, at the turn of the 20th century, best Universities in India were at a comparable place vis a vis top universities in China. In last ten years, the Universities in China have marched ahead speedily and this has created a big gap between their universities and ours. For instance, Peking University, Beijing is at the first place amongst the Universities of six BRICS nations and 12 other emerging economies of the World. Our rank amongst the Universities in 18 nations survey is 13th Peking University, Beijing, let me call it PUB, is ranked at 45th place in the World University Rankings, whereas our own Panjab University Chandigarh, which we often write as PUC, is ranked between 226 and 250. Difference between PUB and PUC is that of nearly 200 places.

In the Republic Day Eve address last night, President of India, Shri Pranab Mukerjee stressed the need of enhancement in the quality of higher education in Indian Universities. Earlier this month, in a nationwide webcast on the National Knowledge Network, he had lamented that none of the Indian Universities rank amongst the top 200 Indian Universities of the world. Panjab University Chandigarh is nearest to the crossing of the barrier of 200. If we start taking steps to bridge the gap between 'PUC' and 'PUB', our World ranking would start improving. However, we would start seeing the result of this improvement after about two years. Times Higher Education survey is based on data over last 5 years, the last survey was based on data from 2006 to 2011. The next would be based on 2007 to 2012 and so on. Hence, the motivated efforts initiated in 2014 would get reflected in the ranking to be published in 2016.

At Panjab University, we have identified the areas and strategies, where we are lagging behind Peking University and our Faculties are going to initiate new measures from the academic year 2014-15 to start bridging the gap between PUB and PUC.

Hopefully, we would be able to measure upto the expectation of our honourable President of India in the near future. President Shri Pranab Mukherjee has been inviting the Vice Chancellors of Central Universities, Director of IITs of NITs, Heads of premier National Institutions at regular intervals. This augurs well for the Higher Education in India. In the backdrop of the launch of Rashtriya Uchhtar Siksha Abhiyan, RUSA, in the 12th Plan, I believe that the Higher Education Sector is poised to measure upto the expectation of the nation. We, at Panjab University, Chandigarh have an achievable target given to us and as a premier University of India, we should strive to work for it together.

जनवरी 1864 चे खुलया Government College लाहौर पंजाब दा पहला कालेज सी। ऐस साल पंजाब विच असी हायर ऐजूकेशन दे 150 साल पूरे कर ले हन। पिछले साल पंजाब सरकार ने इक नवीं स्कीम हरगोबिंद खुराना दे नाम ते शरु कीती। ऐस स्कीम दे अंडर Rural areas दे सरकारी स्कूलां विच जो बच्चे दसवीं क्लास चो 80% तो ज्यादा नंबर लैदे हैं, औना नू 3000 रूपये दा वजीफा दिता जा रहा है। ऐस साल तों ऐना वास्दे residential schools खोले जा रहें हन।

अगले साल तक हरगोबिन्द खुराना College students और Universities विच दाखला लेने नूं तैयार हो जानगें । Panjab दीयाँ Universities नूं Hargobind Khuranna Scheme दे

Students नूँ अगे पढ़ाई करन वास्दे कोई न कोई होर मज़बूत कदम उठाने चाहिदे ने। आज तों 6 साल पहले आन्ध्र प्रदेश दे विच Rural Area दे स्कूलां दियां 10th class दे toppers वास्दे इक Special Scheme शुरु कीती गई। औना वास्ते 3 Residential Campus बनाये गये जित्थे 11 – 12 क्लास तों शुरु कर के B.Tech. तक दी पढ़ाई मुफ्त कराई जा रही है । मैनूं पिछले week तिन Campus विच जाकर ऐ सब कुछ देखन दा मौका मिलया। जो Students ऐना Campus विच पढ़ रहे हण औना विच इक अजब उत्साह अते Confidence है। जेकर ऐ जज़बा कायम रखया गया ते आन्ध्र प्रदेश दे नाल देश दी competitiveness knowledge श्रेत्र चें वद जायेंगी। Hargobind Khuranna Scholars वास्दे वी कुछ ऐसा ही करन दी जरुरत है। RUSA दे under ऐ शायद possible हो सकदा है । UGC Experts Committee दे Chairman दा फर्ज निभादें होथे मै अपनी रिर्पोट submit कर दिती है। Panjab University Colleges दे अन्तर्गत Rajiv Gandhi University of Knowledge Technology दे Vice-Chancellor नूं असी Chandigarh बुलावागें ताकि Panjab University दे सारे साथी तथा Students वीं उन्हादे Experiment बारे सही जानकारी प्राप्त कर सकन।

अपनी University तों निकल रहे Engineering graduates नूं वी Rajiv Gandhi University of Knowledge Technology दे graduates नाल जाब मार्केट चे compete करना है। ऐस Competitiveness वास्दे सानू ICT दे ज़रिये अपने Curriculum नूं regularly up-grade करना पवेगा। पर ऐ इक ऐसी Competitiveness है जो देश दी Higher Education नूं इक higher level of performance तक पहुँचा देवेगी।

अब आप सब मेरे साथ तीन बार बोलिये

Jai Hind, Jai Hind, Jai Hind